ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
गोविंद बल्लभ पंत कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय
उधम सिंह नगर, पंतनगर, उत्तराखंड

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 06-12-2024

नैनीताल(उत्तराखंड) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2024-12-06 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2024-12-07	2024-12-08	2024-12-09	2024-12-10	2024-12-11
वर्षा (मिमी)	0.0	0.0	2.0	3.0	0.0
अधिकतम तापमान(से.)	18.0	17.0	16.0	14.0	16.0
न्यूनतम तापमान(से.)	4.0	3.0	3.0	2.0	1.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	20	30	60	70	55
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	45	45	50	55	45
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	5	6	8	9	7
पवन दिशा (डिग्री)	320	330	120	110	320
क्लाउड कवर (ओक्टा)	0	0	4	5	0

मौसम सारांश / चेतावनी:

आने वाले पांच दिनों में 2-3 मिमी की हल्की बूंदाबांदी का अनुमान है। अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 14.0-18.0 डिग्री सेल्सियस और 1.0-4.0 डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकता है। उत्तर-पश्चिम, उत्तर-पश्चिम-उत्तर, दक्षिण-पूर्व-पूर्व और दक्षिण-पूर्व दिशा से 5-8 किमी/घंटा की गति से हवा चलने की उम्मीद है। 8 और 9 दिसंबर को अलग-अलग स्थानों पर बहुत हल्की से हल्की बारिश होने की संभावना है, जबकि बाकी दिनों में मौसम शुष्क रहने की संभावना है। अलग-अलग स्थानों पर आंधी और बिजली गिरने की घटना के संबंध में पीली चेतावनी दी गई है।

सामान्य सलाहकार:

क्षेत्र में मौसम की स्थिति के बारे में नियमित अपडेट के लिए, किसान "मेघदूत" ऐप से अपडेट प्राप्त कर सकते हैं और बिजली की स्थिति के बारे में अपडेट "दामिनी" ऐप से प्राप्त कर सकते हैं। यह दोनों ऐप गूगल स्टोर (एंड्रॉइड उपयोगकर्ता) और ऐप सेंटर (आईओएस उपयोगकर्ता) पर उपलब्ध है। एनडीवीआई राज्य के अलग-अलग क्षेत्रों में 0.10-0.30 के बीच अच्छी कृषि शक्ति दर्शाता है। विस्तारित अवधि का पूर्वानुमान 6.12.2024 से 12.12.2024 के दौरान सामान्य वर्षा और सामान्य अधिकतम तापमान के साथ न्यूनतम तापमान से काफी कम तापमान की प्रवृत्ति दर्शाता है।

लघु संदेश सलाहकार:

पीली चेतावनी के साथ हल्की बूंदाबांदी की भविष्यवाणी की गई है, इसलिए कृषि कार्यों को तदनुसार निर्धारित किया जाना चाहिए।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
चना	फसल की नियमित निगरानी करनी चाहिए और 25-30 दिनों के अंतराल पर फसल की निराई और गुड़ाई करनी चाहिए।

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
मसूर की दाल	फसल की नियमित निगरानी करनी चाहिए और 25-30 दिनों के अंतराल पर फसल की निराई और गुड़ाई करनी चाहिए।
रेपसीड	फसल में हल्की सिंचाई करनी चाहिए और सिंचाई के बाद नाइट्रोजन की टॉप ड्रेसिंग करनी चाहिए। कीट की उपस्थिति के मामले में नियमित निगरानी और उपयुक्त नियंत्रण उपायों का पालन किया जाना चाहिए।
सरसों	फसल में हल्की सिंचाई करनी चाहिए और सिंचाई के बाद नाइट्रोजन की टॉप ड्रेसिंग करनी चाहिए। कीट की उपस्थिति के मामले में नियमित निगरानी और उपयुक्त नियंत्रण उपायों का पालन किया जाना चाहिए।
गेहूँ	पछेती किस्मों की बुआई की जा सकती है। सिंचित और वर्षा आधारित दोनों स्थितियों में फसल की नियमित निगरानी की जानी चाहिए और उपयुक्त कृषि पद्धतियों को नियमित रूप से किया जाना चाहिए।
जौ	फसल की निराई-गुड़ाई की नियमित निगरानी करनी चाहिए।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
प्याज	प्याज की रोपाई के लिए खेत की तैयारी करनी चाहिए और खेत में खाद के लिए गाय के गोबर का उपयोग करना चाहिए।
सब्जी पीईए	फसल की नियमित निगरानी करनी चाहिए और 25-30 दिनों के अंतराल पर फसल की निराई और गुड़ाई करनी चाहिए।
गोभी	रोपाई की गई फूलगोभी की किस्मों में यूरिया की टॉप ड्रेसिंग करनी चाहिए तथा निराई-गुड़ाई का कार्य नियमित रूप से करना चाहिए।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
भेंस	पशुओं को ठंड से बचाने के लिए सूखी घास, धान के अवशेष (पुवाल) आदि जो पशुओं के चारे के रूप में उपयोग नहीं किए जाते हैं, उन्हें शेड में पशुओं के लिए बिस्तर सामग्री के रूप में उपयोग किया जाना चाहिए। दरवाजे और खिड़की को अच्छी तरह से ढक देना चाहिए ताकि ठंडी हवा पशुशाला में प्रवेश न कर सके। पशुओं के बैठने के स्थान को समतल करना चाहिए। सलाह दी जाती है कि हरे चारे को सूखे चारे में मिलाकर पशुओं को दिया जा सकता है अन्यथा पशु टिम्पेटी रोग से संक्रमित हो सकते हैं जिससे पशुओं की मृत्यु हो जाती है।
गाय	पशुओं को ठंड से बचाने के लिए सूखी घास, धान के अवशेष (पुवाल) आदि जो पशुओं के चारे के रूप में उपयोग नहीं किए जाते हैं, उन्हें शेड में पशुओं के लिए बिस्तर सामग्री के रूप में उपयोग किया जाना चाहिए। दरवाजे और खिड़की को अच्छी तरह से ढक देना चाहिए ताकि ठंडी हवा पशुशाला में प्रवेश न कर सके। पशुओं के बैठने के स्थान को समतल करना चाहिए। सलाह दी जाती है कि हरे चारे को सूखे चारे में मिलाकर पशुओं को दिया जा सकता है अन्यथा पशु टिम्पेटी रोग से संक्रमित हो सकते हैं जिससे पशुओं की मृत्यु हो जाती है।